प्रेस विज्ञप्ति

24 फरवरी, 2016

हरियाणा में आरक्षण आंदोलन को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा आज मीडिया को जारी बयान :–

समाज के बंटवारे का गुजरात मॉडल बर्दाश्त नहीं : रणदीप

– 72 घंटे के भीतर हो संपत्ति के नुकसान की भरपाई

– हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के पदेन जज से कराई जाए जांच

समाज के बंटवारे का गुजरात मॉडल पूरी निर्लज्जता के साथ हरियाणा में लागू करने के लिए हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व मुख्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर की कठोरतम शब्दों में निंदा करते हैं। हरियाणा में आंदोलन से प्रभावी ढ़ंग से निपटने की बजाए ये दोनों ही नेता विस्फोटक हालात के बावजूद मूक दर्शक बने रहे और दोनों ने 'फूट डालो और शासन करो' की अंग्रेज नीति अपनाई। इस आपराधिक कृत्य और लापरवाही की हम कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हैं।

प्रदेश में आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई चौतरफा हिंसा, करीब 35000 करोड़ रु. के आर्थिक नुकसान और बेशकीमती जानें गवाएं जाने के लिए सीधे सीधे राज्य सरकार और उसका पंगु प्रशासन दोषी है। **सोनिपत में महिलाओं के साथ हुए कथित सामूहिक दुराचार की घटना पूरे सभ्य समाज के माथे पर कलंक है और ऐसे पाश्विक कृत्य के दोषियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्यवाही किए जाने की जरूरत है।** इन हालात और घटनाओं के लिए हरियाणा में आने वाली पीढ़ियां भाजपा व आरएसएस को कभी माफ नहीं करेंगे। हरियाणा का शांतिप्रिय समाज आने वाले समय में भाजपा व संघ की इन विघटनकारी चालों और कृत्यों का मुंहतोड़ जबाव देगा।

आंदोलन के मद्देनजर हम राज्य सरकार से निम्नलिखित मांगें करते हैं :–

1. आरक्षण आंदोलन के दौरान प्रदेश में हुई चौतरफा हिंसा की समयबद्ध जांच हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के पदेन न्यायाधीश से कराई जाए।
2. संपत्ति के नुकसान का आंकलन और पीड़ित दुकानदारों, व्यवसायियों और आम आदमी के आर्थिक नुकसान की मुआवजे के रूप में पाई–पाई की पूरी भरपाई 72 घंटे में की जाए।
3. हिंसा और महिलाओं के साथ ज्यादती करने वाले उपद्रवियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही करते हुए उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

4. आंदोलन के दौरान मूक दर्शक रहे पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की भूमिका की व्यापक जांच कराकर उनके खिलाफ भी कठोरतम और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

अंत में, मैं हरियाणा की शांतिप्रिय जनता से एक बार फिर छत्तीस बिरादरी का अपना पारंपरिक भाईचारा और शांति कायम रखने की अपील करता हूं।

– – –